

(समय : ३ घंटे)

(कुल अंक : १००)

(कृपया जांचे कि आपको सही प्रश्न पत्र मिला है या नहीं।)

सूचना : (१) प्रश्न क्रमांक १ और ६ में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(२) प्रश्न क्रमांक ७ अनिवार्य है।

- प्रश्न १. प्रयोजनमूलक हिंदी विविध क्षेत्रों में क्यों आवश्यक है स्पष्ट कीजिए। (२०)
- प्रश्न २. साहित्यिक हिंदी के स्वरूप से अवगत कराते हुए उसके विभिन्न रूप का वर्णन कीजिए। (२०)
- प्रश्न ३. अनुवाद का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसके महत्त्व को रेखांकित कीजिए। (२०)
- प्रश्न ४. अनुवाद के विभिन्न भेदों पर प्रकाश डालिए। (२०)
- प्रश्न ५. विज्ञापन का अर्थ समझाते हुए उसकी विशेषताओं का वर्णन कीजिए। (२०)
- प्रश्न ६. पारिभाषिक शब्दावली के स्वरूप एवं महत्त्व को रेखांकित कीजिए। (२०)
- प्रश्न ७. (अ) निम्नलिखित अनुच्छेद का हिंदी में अनुवाद कीजिए। (१०)

Nehru described his childhood as a "sheltered and uneventful one". He grew up in an atmosphere of privilege in wealthy homes, including a palatial estate called the Anand Bhavan. His father had him educated at home by private governesses and tutors. Influenced by the Irish theosophist Ferdinand T. Brooks' teaching, Nehru became interested in science and theosophy. A family friend, Annie Besant subsequently initiated him into the Theosophical Society at age thirteen. However, his interest in theosophy did not prove to be enduring, and he left the society shortly after Brooks departed as his tutor. He wrote: "For nearly three years [Brooks] was with me and in many ways, he influenced me greatly". Nehru's theosophical interests induced him to study the Buddhist and Hindu scriptures. According to B. R. Nanda, these scriptures were Nehru's "first introduction to the religious and cultural heritage of [India]....[They] provided Nehru the initial impulse for [his] long intellectual quest which culminated...in The Discovery of India.

(आ) निम्नलिखित अंग्रेजी शब्दों के पारिभाषिक शब्दावली लिखिए। (१०)

- | | |
|------------|----------|
| १. Ability | २. Grant |
| ३. Junior | ४. Leave |
| ५. Notice | ६. Oath |
| ७. Rate | ८. Tax |
| ९. Wage | १०. Will |